दुनिया बेवकूफ कहती थी उनको जिन्होंने अपने काम से मिसाल कायम की

तेवर वही, अंदाज नया ......!

साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

डाक पंजीयन संख्या मालवा संभाग
L2/65/RNP/397/2024-26

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

Connect with Ujjain Times : www.ujjaintimes.in @UjjainTimes UjjainTimes UjjainTimes734 Channel : Ujjain Times

● वर्ष : 63, अंक : 45 ● उज्जैन, युगाब्ध-5126, विक्रम संवत् 2081 मंगलवार दिनांक 06-08-2024 से 12-08-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

डमरू बजा-बजाकर बना दिया विश्व रिकॉर्ड

उज्जैन। महाकालेश्वर की नगरी में आज सावन के तीसरे सोमवार को बाबा महाकाल की सवारी निकलने से पहले विश्व रिकॉर्ड बनाया गया। यहां महाकाल लोक के पास शक्ति पथ पर 1500 लोगों ने एक साथ 10 मिनट तक डमरू बजाया। इसके साथ ही उज्जैन का नाम सबसे अधिक लोगों के डमरू बजाने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया। गिनीज बुक से आए ऋषिनाथ ने इसका सर्टिफिकेट सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक सतीश मालवीय और संतों को सौंपा।

उज्जैन में सावन के तीसरे सोमवार के अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए सुबह से भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। तड़के भस्म आरती में महाकाल का विशेष श्रृंगार हुआ। भस्म आरती के लिए रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि 2.30 बजे महाकालेश्वर मंदिर के पट खोले गए। भस्म आरती के दौरान भांग, चंदन, सूखे मेवों और आभूषणों से बाबा महाकाल का राजा स्वरूप दिव्य श्रृंगार किया गया।

भस्म आरती के 15 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। मंदिर में बाबा के दर्शन का सिलसिला रात 10.30 बजे तक चला। महाकाल मंदिर प्रशासक मृणाल मीणा ने बताया कि आज एक साथ 1500 डमरू बजाने का विश्व रिकॉर्ड बना है। सवारी शुरू होने से पहले श्री महाकाल महालोक के सामने शक्ति पथ पर वादक भस्म आरती की धुन पर 10 मिनट की प्रस्तुति दी। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम ड्रोन तथा कैमरों से प्रस्तुति की निगरानी की।

शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना माना नाम महर्षि सांदीपनि पब्लिक हाई स्कूल

महर्षि सांदीपनि पब्लिक हाई स्कूल विगत 24 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना माना नाम है। उज्जैन शहर में 13 बच्चों की संख्या से प्रारंभ विद्यालय आज 1500 बच्चों का सुखद भविष्य गढने हेतु प्रयत्नरत है। विद्यालय अपनी प्री प्रायमरी नर्सरी व के.जी. की कक्षाओं में नवाचार के लिए प्रसिद्ध है। अपने पाल्य के प्रवेश हेतु निवेदन है कि एक बार अवश्य विद्यालय का अवलोकन करे।

प्राचार्य
● भारती महेश तिवारी

सम्पादकीय

पड़ोसी से सावधान

यह एक बड़ा सवाल है कि वहां छात्रों को अब क्या नाराजगी है? क्या बांग्लादेश में छात्रों के नाम पर असामाजिक तत्वों ने फिर फन फैला लिया है? भारत ने ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र ने भी स्पष्ट कहा है कि हिंसा तत्काल रुकनी चाहिए और जल्द से जल्द अंतरिम सरकार का गठन होना चाहिए। सरकार का एक व्यवस्थित ढांचा जब सामने आएगा, तभी उपद्रवियों पर लगाम लगेगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में बताया है कि कई जगहों पर अल्पसंख्यकों के व्यवसायों और मंदिरों पर हमले की रिपोर्ट के बाद भारत सरकार बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों की स्थिति को लेकर बहुत चिंतित है। हालांकि, अफवाहों से भी सावधान रहने की जरूरत है। ऐसे अनेक तत्व होंगे, जो इस प्रकरण को सांप्रदायिक रूप देना चाहेंगे। जैसे, एक अफवाह उड़ी थी कि वहां की क्रिकेट टीम के सदस्य लिटन दास के घर पर उपद्रवियों ने हमला बोल दिया है। वास्तव में, बांग्लादेश से आ रही खबरों को दो-तीन बार परख लेने की जरूरत है। अनेक स्थानों पर बांग्लादेशी नागरिक ही अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए खड़े हो गए हैं। भारतीय विदेश मंत्री ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए विभिन्न समूहों और संगठनों की पहल का स्वागत किया है। बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता और समझदारी की सराहना करनी चाहिए। सरकार ने संसद में कोई बयान देने से पहले बांग्लादेश के विषय पर जिस तरह सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया है, वह अनुकरणीय है। विपक्ष के लगभग सभी महत्वपूर्ण नेताओं की भी प्रशंसा करनी चाहिए कि सभी ने बैठक में भाग लिया और अपनी-अपनी बात रखी। किसी भी विवादित विषय पर कोई निर्णय लेने से पहले सर्वसम्मति बनाने की चेष्टा सजीव लोकतंत्र का वही गुण है, जिसका अभाव बांग्लादेश में अक्सर उभरता रहा है। किसी भी लोकतांत्रिक देश को ऐसी स्थिति में कतई नहीं फंसना चाहिए, जहां सियासी पार्टियों के बीच दूरियां इस कदर बढ़ जाएं कि फौज दखल देने को मजबूर हो जाए। वाकई अगर बांग्लादेश में सत्ता पक्ष और विपक्ष को अपनी-अपनी सीमाओं का अंदाजा होता, तो यह नौबत नहीं आती। अब ऐसी नौबत आ ही गई है, तो कोशिश होनी चाहिए कि कम से कम खूनखराबा न हो। बहुत अफसोस की बात है कि शेख हसीना के देश से पलायन के बावजूद वहां हिंसा थमी नहीं है और कथित रूप से 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। बेशक, भारत ने शेख हसीना को बांग्लादेश से निकलने में मदद की है, पर विदेश मंत्री ने यह भी बता दिया है कि भारत ने शेख हसीना को संयम बरतने की सलाह बार-बार दी थी और आग्रह किया था कि हालात को बातचीत से सुलझा लें। अफसोस, हसीना ने सलाह पर गौर नहीं किया और अब यूरोप में शरण खोज रही हैं। यूरोपीय देश भी शरण देने से पहले चिंतित हैं, क्योंकि अब उनके यहां भी कट्टरता पैठ गई है। शेख हसीना का पतन वास्तव में उन सभी नेताओं के लिए सबक है।

राज्यों को आरक्षण व्यवस्था में कोटे के भीतर भी कोटा बनाने का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट की सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने एक अहम फैसले में यह साफ कर दिया है कि राज्यों को आरक्षण व्यवस्था में कोटे के भीतर भी कोटा बनाने का अधिकार है। यानी राज्य सरकारें अब अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग में भी आरक्षण के लिए अलग-अलग श्रेणियां बना सकती हैं। यह अधिकार अभी तक राष्ट्रपति के पास ही सुरक्षित था। संसद में ही प्रस्ताव पारित कर, किसी भी जाति को, आरक्षण के दायरे में लाया जा सकता था अथवा जाति को आरक्षण से बाहर भी किया जा सकता था। इस फैसले के बाद इन वर्गों में हाशिये पर पड़ी जातियों को आरक्षण का फायदा मिलने की उम्मीद है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि यह बात भी लगातार उठाई जा रही थी कि समुचित अवसर नहीं मिलने के कारण आरक्षित अजा-जजा वर्ग में भी ऐसी कई जातियां हैं जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर पिछड़ेपन से उबर नहीं पा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय पर राजनीतिक दल, सामाजिक कार्यकर्ता और अन्य समूह दो भागों में बंटते दिखाई दे रहे हैं। राजनीतिक दल अपने नफे- नुकसान के हिसाब से इस फैसले पर बयानबाजी कर रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस जैसे बड़े दलों ने इस मुद्दे पर लगभग चुप्पी साध रखी है। राजनीतिक चश्मे से इतर देखें तो संविधान पीठ का फैसला सामाजिक न्याय के लिए 'मील का पत्थर' साबित हो सकता है। वर्तमान में दलित और आदिवासियों को शिक्षा और नौकरियों में क्रमश: 15 फीसदी और 7.5 फीसदी आरक्षण हासिल है। संविधान पीठ के दो कथन महत्वपूर्ण हैं। एक, एससी-एसटी के कोटे में कुछ जातियों का उप-वर्गीकरण करने से संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 341 का उल्लंघन नहीं होता। समानता का सिद्धांत यथावत रहेगा। दूसरे, आरक्षण एक पीढ़ी तक सीमित कर देना चाहिए। यदि पहली पीढ़ी आरक्षण का लाभ लेकर उच्च स्थिति तक पहुंच गई है, तो दूसरी पीढ़ी को आरक्षण का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। जस्टिस बीआर गवई ने एससी-एसटी पर भी, ओबीसी की तरह, 'क्रीमीलेयर' लागू करने की बात कही है। यह विवादास्पद मुद्दा बन सकता है। आरक्षण के आधार पर जो दशकों से राजनीति करते आ रहे हैं अथवा आरक्षण के कारण ही राजस्थान की एक खास जाति में पीढ़ी-दर-पीढ़ी आईएएस अफसर बनते रहे हैं, वे अपने हिस्से को बंटने क्यों देंगे?

अनुसूचित जाति समूह के भीतर जातियों को आरक्षण के लाभ से वंचित करने का इतिहास दशकों पुराना है। वर्ष 1960 में कोटे के अंदर कोटा की मांग आंध्र प्रदेश में उठी थी, जो कई सालों तक चली। इसके बाद 1997 में तब की आंध्र प्रदेश सरकार ने न्यायमूर्ति पी रामचंद्र राजू आयोग का गठन किया, जिसने कहा था कि आरक्षण का लाभ बड़े पैमाने पर अनुसूचित जातियों के बीच एक विशेष जाति के पास गया है और इसलिए, एससी को चार समूहों में वर्गीकृत करने की सिफारिश की।

1998 में तत्कालीन आंध्र प्रदेश सरकार ने अनुसूचित जातियों में एक सब कैटेगरी बनाने का एक प्रस्ताव पास किया। 2001 में यूपी सरकार ने हुकुम सिंह समिति का गठन किया, जिसने कहा कि आरक्षण का लाभ सबसे अधिक वंचित वर्गों के लोगों तक नहीं पहुंचा है। इसमें कहा गया कि यादवों को अकेले नौकरियों का अधिकतम हिस्सा मिला है। इस समिति ने भी एससी/ओबीसी की सूची की सब कैटेगरी बनाने की सिफारिश की थी। 2005 में कर्नाटक सरकार ने न्यायमूर्ति एजे सदाशिव पैनल की स्थापना की, जिसमें एससी जातियों के बीच उन जातियों की पहचान करने पर जोर दिया गया, जिन्हें कोटा से लाभ नहीं मिला। पैनल ने 101 जातियों को चार श्रेणियों में विभाजित करने की सिफारिश की। 2006 में तब की केंद्र सरकार ने सब कैटेगरी के लिए एक पैनल बनाने का निर्णय लिया। 2007 में उषा मेहरा को इस पैनल का अध्यक्ष बनाया गया। 2007 में ही बिहार के महादलित पैनल ने भी ऐसी सिफारिशें कीं। इसमें कहा गया कि एससी की 18 जातियों को अत्यंत कमजोर जातियों के रूप में माना जाना चाहिए। 2008 में उषा मेहरा ने केंद्र को रिपोर्ट सौंपी। 2009 में यूनाइटेड आंध्र प्रदेश से सीएम वाईएस राजशेखर रेड्डी ने केंद्र को पत्र लिख इसे संवैधानिक गारंटी देने की मांग की। साल 2014 में तेलंगाना के बनने के बाद केसीआर ने एक प्रस्ताव पास कर केंद्र से सब कैटेगरी बनाने की मांग की। 2023 में सिकंदराबाद की एक सभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वो कोटे के अंदर कोटे का समर्थन करेंगे। पहली अगस्त, 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। ताजा फैसला पंजाब का है। दरअसल पंजाब सरकार ने 2006 में कानून बनाया था कि राज्य में एससी-एसटी आरक्षण में 50 फीसदी आरक्षण, पहली प्राथमिकता के तहत, वाल्मीकि और मजहबी सिखों को मिलेगा। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने 2010 में इसे रद्द कर दिया था। इन तमाम संदर्भों में पीठ ने अलग-अलग अनुच्छेद की व्याख्या स्पष्ट की है और राज्यों के अधीन उप-वर्गीकरण का फैसला दिया है। डाटा के आधार पर यह कोटा बदलता रहेगा। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी एक वर्ग को 100 फीसदी आरक्षण न दे दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले से वर्ष 2004 के 'ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र' वाले मामले में दिए गए अपने फैसले का फैसले को पलट दिया है। जिसमें कहा गया था कि राज्य सरकारें आरक्षण के लिए अनुसूचित जातियों व जनजातियों की सब-कैटेगरी नहीं बना सकतीं। सुप्रीम कोर्ट ने अब कहा है कि राज्यों को सब-कैटेगरी देने से पहले एससी और एसटी श्रेणियों के बीच क्रीमीलेयर की पहचान करने के लिए एक पॉलिसी बनानी चाहिए। यह अवधारणा भी स्पष्ट होनी चाहिए।

ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को आरक्षण उनकी सालाना आय के आधार पर तय किया जाता है। क्रीमीलेयर की सीमा 8 लाख रुपये सालाना है। यानी करीब 67,000 रुपए महीना। यह वर्ग गरीब कैसे हो सकता है? दूसरी ओर वे लोग भी हैं, जो तीन चार सौ रुपए रोजाना कमाने में भी असमर्थ हैं। बेहतर होता कि क्रीमीलेयर पर भी न्यायिक फैसला सुनाया जाता। मंडल के बाद यह दूसरा ऐतिहासिक फैसला है। 'मील का पत्थर' तभी साबित हो सकता है, जब क्रीमीलेयर वाला फैसला लागू किया जाएगा। जाहिर है कि फैसले को धरातल पर लागू कराने के लिए राज्यों को काफी काम करने की जरूरत है। एससी-एसटी की गणना उपलब्ध है, लिहाजा जातीय जनगणना अनिवार्य नहीं है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही कह दिया है कि सब-कैटेगरी का आधार उचित होना चाहिए। राज्य अपनी मर्जी से या राजनीतिक आधार पर सब-कैटेगरी तय नहीं कर सकें इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक सुरक्षा का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखा है। इस फैसले के बाद पर्याप्त संभावना है कि एससी-एसटी अब एक समूह नहीं रह जाएगा। उनके भीतर ही अलग-अलग वर्ग खड़े हो जाएंगे और फिर उनसे जुड़ी नई राजनीति उबलने लगेगी। संविधान निर्माता बाबा साहब आम्बेडकर के पौत्र प्रकाश आम्बेडकर ने संविधान पीठ के फैसले की आलोचना की है और इसे 'सामाजिक पूर्वाग्रह' करार दिया है। उनकी आशंका है कि दलितों का कोटा कम होने लगेगा।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन @ India

भारत ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सिओम-4 मिशन के लिए 2 क्रू सदस्यों का चयन किया। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और प्रशांत बालकृष्णन नायर अमेरिका में प्रशिक्षण लेंगे मिशन के दौरान प्राप्त अनुभव मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए लाभकारी होगा।

PM - Surya Ghar: Muft Bijli Yojna

Subsidy for residential households

Rs. 30,000/- per kW up to 2 kW

Rs. 18,000/- per kW for additional capacity up to 3 kW

Total Subsidy for systems larger than 3 kW capped at Rs 78,000

Suitable Rooftop Solar Plant Capacity for households

Average Monthly Electricity Consumption (units)	Suitable Rooftop Solar Plant Capacity	Subsidy Support
0-150	1 – 2 kW	Rs 30,000 to Rs 60,000/-
150-300	2 - 3 kW	Rs 60,000 to Rs 78,000/-
>300	Above 3 kW	Rs 78,000/-

Online Applications may be submitted on the National Portal at https://pmsuryaghar.gov.in

भारत के 68% सौर छत केवल गुजरात के घरों पर हैं। उपरोक्त स्कीम, भारत के अन्य राज्य के लिए उपयोगी।

भारत बंगलादेश सीमा

मेघालय सरकार ने आज रात से भारत-बांग्लादेश सीमा पर रात्रि कर्फ्यू लगाया। सीमा पर 200 मीटर तक कर्फ्यू लागू रहेगा, अगले आदेशों तक शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक प्रभावी रहेगा कर्फ्यू।

दिल्ली @ CBDT

प्रबोध सेठ और RN परबत CBDT के मेम्बर बने 6 महीने में income ta& को study करके, comprehensive recommendation की दिशा में पहला कदम।

सोने की कीमतें कैसे बढ़ी

	1980	29-07-2024	Multiplied by
Sensex	100	81,355	814
GOLD Ornament	1,330	63,400	48
10 Years	30-07-2014	29-07-2024	Multiplied by
Sensex	26,087	81,355	3.12
GOLD Ornament	26,250	63,400	2.42

सेंसेक्स लॉन्च होने के बाद से पिछले 44 वर्षों में सोने की कीमतें कैसे बढ़ी और पिछले 10 वर्षों में कैसे बढ़ीं।

BSNL अपनी 5% सेवा की लिमिटिड ट्रॉयल निम्न स्थानों पर 15 अगस्त से शुरू करेगा

1 . कनॉट प्लेस-दिल्ली,
2. सरकारी/DoT इंडोर ऑफिस-बैंग्लोर
3. सरकारी ऑफिस/BSNL- बैंग्लोर
4. संचार भवन-दिल्ली
5. जेएनयू कैंपस-दिल्ली
6. IIT-दिल्ली
7. इंडिया हैबिटेट सेंटर-दिल्ली
8. सेलेक्टेड लोकेशन BSNL-गुरुग्राम
9. IIT-हैदराबाद

भारत की बड़ी जीत

निशानेबाज मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

कोचिंग सेंटर @ चीन

कोचिंग सेंटर टूटी-फूटी अर्थव्यवस्था की निशानी हैं। देखिए कैसे चीन ने रातों-रात सब कुछ तहस-नहस कर दिया। एक ही रात में, चीन में पूरे कोचिंग ने 1 अरब डॉलर खो दिए।

Nobody wants to learn from the Chinese, but see how Xi Jinping addressed it in 2021. He demolished his entire tuition and coaching industry overnight. Reasons given: It was straining the finances of families, causing inequality, wasting families' time and taking young people away from more fun things.

Everything, including coaching centres for China's famed UPSC equivalent, Gaokao, was banned. There was to be no tutoring for profit, no IPO listings, no share sales, limits on online learning, no mergers, acquisitions, foreign collaborations. End of story.

Overnight, Chinese edtech companies lost more than $1 trillion on the stock markets, way more than the damage in the 2008 global financial meltdown. Jack Ma apart (he was dismantled differently), three of the top billionaires, Larry Chen, Michael Yu and Zhang Bangxin, lost between 80 and 90 per cent of their wealth — all from edtech.

हाइड्रोजन! हाइड्रोजन! हाइड्रोजन!

भारत का पहला हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन तैयार है। इंडिया ऑयल कॉर्पोरेशन इस ग्रे हाइड्रोजन स्टेशन के साथ सबसे आगे है। हालाँकि हाइड्रोजन सस्ता और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ है, लेकिन इसकी अपनी चुनौतियाँ हैं।

कर्तव्य पथ में धनुष उठाने के लिए तैयार रहें, गीता एक जीवन है

श्रीमद दयानंद कन्या गुरुकुल महाविद्यालय अमरोहा की छात्राओं को गत दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत से संवाद करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह उनके लिए अनूठा अनुभव था जब सरसंघचालक ने सहज सरल बोधगम्य भाषा में उनके मन की जिज्ञासा को शांत किया। छात्राएं प्रश्न पूछ रही थीं और सरसंघचालक उनके प्रश्नों का इस तरह उत्तर दे रहे थे मानों उनके और छात्राओं के बीच सामान्य वार्तालाप चल रहा हो। छात्राओं को निःसंकोच अपने प्रश्न पूछने की अनुमति थी और मोहन भागवत भी चेहरे पर स्मित हास्य के साथ पूरी तरह सहज होकर उनके हर प्रश्न का जबाब दे रहे थे। छात्राओं को पल भर के लिए भी यह आभास नहीं हुआ कि उन्हें आज विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति से रूबरू होने का सौभाग्य मिला है। संघ प्रमुख की व्यस्तता के कारण इस अनूठे संवाद का सिलसिला यद्यपि आधे घंटे तक ही जारी रह सका परन्तु श्रीमद दयानंद कन्या गुरुकुल महाविद्यालय की छात्राओं के लिए यह यादगार अनुभव रहा। छात्राओं ने सरसंघचालक से धर्म, अध्यात्म, राष्ट्र भक्ति , नारीशक्ति सहित अनेक विषयों पर आधारित प्रश्न पूछे और और उनकी हर जिज्ञासा का सुंदर समाधान संघ प्रमुख ने किया।

जब एक छात्रा ने उनसे प्रश्न किया कि आप सरसंघचालक होने के साथ देश के प्रधानमंत्री व अन्य वरिष्ठ पदों को प्राप्त कर सकते थे। आपने ऐसा क्यों नहीं किया तो संघ प्रमुख ने कहा कि मेरे साथ यहां जो कार्यकर्ता बैठे हैं, सभी ऐसे हैं। हम सब यहां कुछ होने के लिए नहीं बल्कि देश की सेवा करने के लिए आए हैं। किसी भी स्वयंसेवक से पूछो वह शाखा चलाने की इच्छा जताएगा। उसके लिए संघ का आदेश सर्वोपरि है। एक अन्य छात्रा का प्रश्न था कि अर्जुन के बलशाली होने पर भी श्रीकृष्ण के उपदेश की आवश्यकता पड़ी थी परन्तु आज उनके अभाव में क्या गीता उपदेश देने में सफल हो पाएगी। इस पर संघ प्रमुख ने उसे सरल शब्दों में समझाते हुए कहा कि श्रीकृष्ण सत्य हैं। जो सत्य है उसका अभाव नहीं होता। असत्य का कहीं भाव नहीं होता। भारत में योगेश्वरों की कभी कमी नहीं रही है। न पहले थी न आज है। धनुर्धर पार्थ चाहिए। ऐसे लोग चाहिए जो कर्तव्य पथ में धनुष उठाने के लिए तैयार रहें। गीता एक जीवन है।

उन्होंने कहा, भारत के साथ सनातन संस्कृति बढ़ रही है। भारत चार कदम चला तो दुनिया को लगा कि भारत बढ़ी शक्ति बन रहा है। एक छात्रा के मन में संघ प्रमुख से जीवन के उन संघर्षों को जानने की उत्सुकता थी कि जिन पर विजय प्राप्त करके वे एक सफल व्यक्ति बने। इस प्रश्न के उत्तर में मोहन भागवत ने कहा कि मेरे बारे में सभी को जानने की जिज्ञासा है। ऐसा मैं अकेला नहीं हूं। संघ के सभी कार्यकर्ता ऐसे ही होते हैं। संघर्ष क्या है। अहंकार को हावी न होने दें। हम अपने मन बुद्धि और शरीर पर वास्तविकता का आवरण करें। एक-दूसरे के सहायक बनें। संघ के विस्तार में महिलाओं की भूमिका से जुड़े प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि संघ में यह सीधे तौर पर नहीं दिखतीं लेकिन पर्दे के पीछे बहुत बड़ी भूमिका है। संघ के चार हजार स्वयंसेवक अविवाहित हैं और लाखों स्वयंसेवक गृहस्थी में रहकर संघ के काम कर रहे हैं। उनके घर की माताएं-बहनें संघ के लिए समर्पित होकर काम करने देती हैं, इसलिए कर पाते हैं। मातृशक्ति के लिए संघ की राष्ट्र सेविका समिति की नौ हजार शाखाएं समाज के लिए काम कर रही हैं। संघ का काम नारियों को उन्नत नहीं सक्षम बनाना है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत एक छात्रा के इस प्रश्न पर मुस्कुरा उठे कि आपके नाम के दोनों शब्द ईश्वर का स्मरण कराते हैं। यह नाम रखने के पीछे क्या रहस्य है। भागवत ने कहा कि यह परिजनों का दिया नाम है। भागवत मेरे कुल का है जो बुजुर्गों का दिया हुआ है। भक्ति का प्रचार करने वाले भागवत कहलाते हैं।

हमारे कुल में भी ऐसे रहे होंगे। मैं तो देशभक्ति का प्रचार करता हूं। मैं देश व देव में अंतर नहीं मानता। सरसंघचालक एक छात्रा के इस प्रश्न से बहुत प्रभावित हुए कि देश व धर्म में किसे ऊपर स्थान देना चाहिए और क्या धर्म उन्नति और देश उन्नति अलग-अलग हैं। इस प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि नहीं, सब एक हैं। जो दुनिया के समय से चलता आया है वह सनातन धर्म है। सत्यार्थ का प्रकाश दिल में हो, हम देश हित के लिए काम करते रहें। मोहन भागवत ने छात्राओं के साथ संवाद कार्यक्रम के पूर्व महाविद्यालय में आयोजित यज्ञ में भाग लिया और नवनिर्मित भवन उद्घाटन किया। उन्होंने महाविद्यालय की 134 छात्राओं के उपनयन संस्कार के बाद उन्हें आशीर्वाद दिया।

भारत बांग्लादेश के बीच सड़क, रेल और हवाई यातायात बंद

कोलकाता। भारत और बांग्लादेश के बीच सड़क, रेल और हवाई मार्गों का संपर्क वर्तमान में बंद कर दिया गया है। सोमवार रात 11 बजे तक ढाका के शाहजालाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी बंद कर दिया गया है।

पिछले कुछ दिनों से भारत और बांग्लादेश के बीच सभी ट्रेन और बस सेवाएं बंद हैं। बांग्लादेश में हुए ताजा घटनाक्रम के बाद सोमवार दोपहर से भारत-बांग्लादेश यात्रा के सभी मार्ग बंद हो गए हैं, जिससे दोनों देशों के सीमावर्ती क्षेत्रों में लोग चिंतित हैं।

बांग्लादेश की राजनीतिक स्थिति के कारण वहां के कई परिवार अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और भारत आना चाहते हैं, लेकिन वर्तमान स्थिति में यह संभव नहीं है। सीमा पर से भारत आने के लिए तैयार तीन सौ से अधिक मालवाहक ट्रक फंसे हुए हैं। लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एलपीएआई) ने पेट्रापोल सीमा को बंद कर दिया है, जिससे व्यापारिक और यात्री परिवहन दोनों बंद हो गए हैं।

सोमवार को एयर इंडिया और इंडिगो सहित भारत की सभी विमान सेवाओं ने बांग्लादेश के लिए अपनी सेवाएं बंद कर दी हैं। शाहजालाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बंद होने के कारण हवाई सेवा जारी रखना संभव नहीं है।

चीन Vs इंडिया

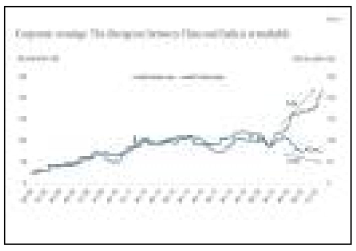

दो देशों की कहानी चीन भारत चीन और भारत में व्यापार चक्र अलग हो रहे हैं, ऊपर वाला ग्राफ देखें।

वित्त मंत्री ने रियल एस्टेट पर LTCG इंडेक्सेशन बजट प्रस्ताव में संशोधन किया

Governement to dial down on real estate indexation removal and will offer choice between old indexation benefits or to opt for new regime

23 जुलाई या उससे पहले की संपत्तियों के लिए, करदाताओं को नई (12.5%) या पुरानी विधि (इंडेक्सेशन के साथ 20%) चुनने का विकल्प दिया जाएगा।

बंगलादेश में हिन्दुओं की रक्षा करे सेना-शंकराचार्य

नई दिल्ली। ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उम्मीद जतायी कि बंगलादेश की सेना वहां रह रहे हिन्दुओं की रक्षा करेगी क्योंकि इस समय शासन सेना के हाथ में है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बंगलादेश में सोमवार को तख्तापलट के बाद हिन्दुओं, उनके प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर हमलों को चिंता जताते हुये वहां की सेना से अनुरोध किया कि हिन्दू जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जाये। शंकराचार्य ने कहा, हमें बंगलादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बारे में सूचित किया गया है।

रिलायंस फाउंडेशन वायनाड में आये भूस्खलन से पीड़ित लोगों को वित्तीय सहायता देगा

वायनाड। केरल के वायनाड में आये भूस्खलन से पीड़ित लोगों के लिये रिलायंस फाउंडेशन स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर उन्हें सहायता देने के लिये खाद्य पदार्थ, फल, दूध, सूखा राशन इत्यादि उपलब्ध करा रहा है विज्ञप्ति में रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक एवं अध्यक्ष नीता अंबानी का हवाला देते हुये कहा गया है कि भूस्खलन पीड़ितों को बीज, चारा, उपकरण और व्यावसायिक

प्रशिक्षण भी मुहैया कराएगा। बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुस्तकों और खेल सामग्री सहित शिक्षा सहायता उपलब्ध कराएगा।

वक्फ बोर्ड पर सरकार का कसेगा शिकंजा

मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि केंद्र सरकार जल्द ही वक्फ अधिनियम, 2013 में संशोधन लाने के लिए एक बिल संसद में ला सकती है। सरकार ने इन रिपोर्टों की पुष्टि नहीं की है, लेकिन मुसलमान समुदाय से जुड़े राजनेता और अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने सरकार के इस कदम का विरोध किया है। एआईएमपीएलबी ने एक बयान जारी कर कहा कि वक्फ अधिनियम, 2013 में अगर ऐसा कोई बदलाव किया जाता है जो वक्फ संपत्तियों के रूप को बदल देगा या सरकार या किसी व्यक्ति के लिए उन संपत्तियों को हड़प लेना आसान बना देगा, तो यह बदलाव अस्वीकार्य है।

क्या होता है वक्फ

वक्फ अरबी भाषा का शब्द है, जिसका मतलब होता है किसी संपत्ति को धार्मिक या परोपकारी कार्यों के लिए एक ट्रस्ट के नाम कर देना। एक बार किसी ने अपनी संपत्ति को वक्फ कर दिया तो उसके बाद ना उसकी खरीद-बिक्री हो सकती है और ना दान या तोहफे में किसी को दिया जा सकता है। मुस्लिम समुदाय में लोग अक्सर अपनी संपत्तियों को स्कूल, क्लिनिक, मस्जिद, मदरसा, कब्रिस्तान आदि समेत किसी ना किसी धार्मिक या परोपकारी उद्देश्य के लिए वक्फ कर देते हैं। वक्फ की हुई संपत्तियों का प्रबंधन वक्फ बोर्ड करता है।

जब यूपी में हुई वक्फ संपत्तियों की जांच

भारत में एक केंद्रीय वक्फ काउंसिल है और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के भी अपने अपने कुल मिला कर 32 वक्फ बोर्ड हैं। कुछ राज्यों में शिया और सुन्नी समुदायों के अलग अलग वक्फ बोर्ड हैं। यह सभी बोर्ड वक्फ अधिनियम, 2013 के तहत काम करते हैं। केंद्रीय वक्फ काउंसिल की स्थापना 1964 में वक्फ अधिनियम, 1954 के तहत की गई थी। इस कानून में कई बार संशोधन किए है। आखिरी संशोधन 2013 में किया गया था।

कितनी संपत्ति है वक्फ बोर्डों के पास

वक्फ एसेट्स मैनेजमेंट ऑफ इंडिया की वेबसाइट के मुताबिक देश में इस समय कुल 3,56,047 वक्फ एस्टेट, 8,72,321 अचल वक्फ संपत्तियां और 16,713 चल संपत्तियां है। अचल संपत्तियों में से कुल 4,36,166 संपत्तियों के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। सबसे ज्यादा अचल संपत्तियां कब्रिस्तान (1,50,000), खेती-बाड़ी (1,40,000), मस्जिद (1,20,000) और दुकानों (1,12,000) के लिए वक्फ की गई हैं। कई वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण हो चुका है। केंद्रीय वक्फ काउंसिल के अध्यक्ष अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री होते हैं। इस समय किरन रिजिजू काउंसिल के अध्यक्ष हैं। इस लिहाज से केंद्र सरकार के पास पहले से ही वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन की जिम्मेदारी है, लेकिन नए संशोधन की खबर से मुस्लिम समुदाय में कई लोग नाराज हैं।

मोदी के बयान पर क्या बोले पार्टी के इकलौते मुस्लिम उम्मीदवार

एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता एसक्यूआर इलियास ने एक बयान जारी कर कहा है, पुख्ता खबरों के मुताबिक भारत सरकार वक्फ अधिनियम में 40 संशोधन लाकर वक्फ संपत्तियों के रूप को बदलना चाहती है ताकि उन पर कब्जा ले लेना आसान हो जाए।

बाबरी-मस्जिद राम मंदिर विवाद में वक्फ बोर्ड की भूमिका

उन्होंने आगे कहा कि वक्फ अधिनियम और वक्फ संपत्तियों को भारत के संविधान और शरीयत एप्लीकेशन अधिनियम, 1937 के तहत संरक्षण प्राप्त है और मुसलमान कभी भी वक्फ अधिनियम में ऐसे किसी संशोधन को स्वीकार नहीं करेंगे जिससे अधिनियम का दर्जा ही बदल जाए।

विवादों में रहते हैं वक्फ बोर्ड

एआईएमआईएम पार्टी के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी अधिनियम में संशोधन की कोशिशों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार वक्फ बोर्डों की स्वायत्तता छीन लेना चाहती है और यह धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है।

हालांकि कई राज्यों में वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्तियां कई तरह के विवादों में फंसी हुई हैं। जैसे दिल्ली में आम आदमी पार्टी के विधायक और दिल्ली वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अमानतुल्ला खान के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) भ्रष्टाचार के कई आरोपों की जांच कर रही हैं।

इनमें यह आरोप भी शामिल है कि अध्यक्ष पद पर खान के कार्यकाल के दौरान लोगों को अवैध रूप से वक्फ संपत्तियों पर कब्जा जमाने की इजाजत दी गई। इसी तरह 2020 में सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि पूरे भारत में वक्फ संपत्तियों की ठीक से गिनती नहीं की जा रही है। कर्नाटक में राज्य के अल्पसंख्यक आयोग ने 2012 में अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि राज्य में वक्फ संपत्तियों के गलत इस्तेमाल और अतिक्रमण से सरकारी खजाने को दो लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस रिपोर्ट पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

नगर निगम फर्जी बिल घोटाला मामले में मास्टर माइंड व ऑडिटर के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

इंदौर। इंदौर नगर निगम के 125 करोड़ रुपये के फर्जी बिल घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार सुबह घोटाले के मास्टर माइंड अभय राठौर और संयुक्त संचालक (ऑडिट) अनिल कुमार गर्ग के ठिकानों पर छापेमारी शुरू की है। ऑडिट, अकाउंट्स विभाग के कर्मियों के अलावा निगम ठेकेदारों के 12 ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई की जानकारी मिली है।

ईडी की टीम ने सोमवार सुबह सबसे पहले ऑडिटर अनिल कुमार गर्ग के निवास पर दबिश दी। ईडी की अलग-अलग टीमों ने मास्टर माइंड अभय राठौर और उसके बहनोई के घर भी छापेमारी की। अन्य आरोपितों और उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर भी ईडी की टीम पहुंची है। ईडी के अधिकारी सुबह से आरोपितों के ठिकानों पर दस्तावेजों की जांच में जुटे हैं और बताया जा रहा है कि अब तक उन्हें हार्ड डिस्क, फाइलें और कई अहम दस्तावेज मिले हैं।

फिलहाल ईडी की कार्रवाई रेणु वडेरा निवासी 6 आशीष नगर, मोहम्मद जाकिर निवासी 147 मदीना नगर, राहुल वडेरा निवासी 2 आशीष नगर, राजकुमार पिता पन्नालाल साल्वी निवासी 78 अम्बिकापुरी हरीश श्रीवास्तव निवासी 55 सुखदेवनगर, प्रो. एहतेशाम पुत्र बिलकीस खान निवासी 128 माणिक बाग, जाहिद खान निवासी 101 सकीना अपार्टमेंट अशोका कॉलोनी, मोहम्मद साजिद निवासी मदीना नगर, मोहम्मद सिध्दिकी निवासी मदीना नगर), उदयसिंह पुत्र रामनरेश सिंह भदौरिया निवासी 31-सी सुखलिया, मुरलीधर पुत्र चंद्रशेखर निवासी 697 शिव सिटी राऊ, मौसम व्यास के ठिकानों पर जारी है।

उल्लेखनीय है कि निगम के फर्जी बिल घोटाला मामले में पुलिस ने करीब 20 आरोपितों के खिलाफ अलग-अलग के दर्ज किए थे। इनमें ठेकेदारों के अलावा, निगम अधिकारी, कर्मचारी आदि शामिल हैं। घोटाले का मास्टर माइंड अभय राठौर फिलहाल जेल में है। पुलिस अब तक राठौर सहित नौ आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें ठेकेदार मो. साजिद, रेणु वडेरा, सब इंजीनियर उदय सिसौदिया, कम्प्यूटर ऑपरेटर चेतन भदौरिया और कर्मचारी मुरलीधर जेल जा चुके हैं। आरोपित ठेकेदार मो. सिद्दिकी (ग्रीन कंस्ट्रक्शन इंजीनियर), इमरान खान (क्रिस्टल इंटरप्राइजेस) और मौसम व्यास (ईश्वर इंटरप्राइजेस) फरार हैं। इन पर इनाम घोषित है।

मुख्यमंत्री बंधवा रहे बहनों से राखी

बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में अतिवृष्टि से उत्पन्न हालातों का जायजा लेने के लिये आज जबलपुर से सिवनी होते हुए बालाघाट तक सड़क मार्ग से भ्रमण किया। उन्होंने वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों और पशुओं के लिये पर्याप्त सुरक्षात्मक बंदोबस्त करने के निर्देश प्रशासनिक अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों और आम नागरिकों को नियमानुसार क्षतिपूर्ति (मुआवजा) राशि दी जायेगी। मुख्यमंत्री का सड़क मार्ग से यात्रा के दौरान गाँव-गाँव में सभी वर्गों के लोगों के साथ जन-प्रतिनिधियों ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मार्ग में आमजन से चर्चा की और संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि सिवनी-बालाघाट मार्ग जल्दी ही फोरलेन बनाया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुरई महाविद्यालय के नवीन भवन निर्माण और नगरीय क्षेत्र बरघाट में डिवाइडर युक्त मॉडल रोड निर्मित किये जाने की सौगात जनता को दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सड़क मार्ग द्वारा जबलपुर से सिवनी-जबलपुर सीमा में स्थित ग्राम बंजारी पहुंचने पर विधायक बरघाट श्री कमल मर्सकोले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डेहरिया एवं वरिष्ठ जिलाधिकारियों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम बंजारी से सिवनी की ओर मार्ग में नागनदेवरी, लखनादौन, गनेशगंज, छपारा तथा बंडोल में बहनों से आत्मीय भेंट कर राखी बंधवाई। उन्होंने बहनों को रक्षाबंधन एवं कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिवनी जिले में छपारा तहसील स्थित बैनगंगा नदी के पुल पर वाहन रुकवाया एवं बैनगंगा नदी को प्रणाम कर पुष्प अर्पित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भीमगढ़ बांध के बैक वाटर का अवलोकन कर विगत 22 जुलाई को हुई अतिवर्षा से निर्मित बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन से अतिवर्षा के दौरान जल भराव क्षेत्र एवं प्रभावित गाँवों के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक प्रबंध करने को निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सड़क मार्ग से सिवनी जिला मुख्यालय पहुंचने पर नगरवासियों द्वारा अभिवादन किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अगस्त माह बहनों के लिए उत्सव की तरह मना रही है। नारी सशक्तिकरण की दिशा में सरकार द्वारा कईं महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को प्रदेश में रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश की लाडली बहनों को प्रतिमाह मिलने वाली 1250 रूपये की राशि के अतिरिक्त 250 रूपये की राशि रक्षा बंधन के लिए उनके बैंक खाते में अंतरित की जा रही है।

जिससे वे रक्षा बंधन का त्यौहार पूरे उत्साह से मना सकें। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को ग्रामवार, वार्डवार, निकायवार तथा जिलेवार भव्य आयोजन किए जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे सिवनी जिले की बहनों के स्नेह को सदैव अपनी स्मृति में सजों कर रखेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा सिवनी-बालाघाट सड़क मार्ग के गड्डों एवं सोल्डर की तत्काल मरम्मत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

उन्होंने सिवनी-बालाघाट राज्य मार्ग को परीक्षण उपरांत फोरलेन बनाए जाने की घोषणा की। उन्होंने कुरई में महाविद्यालय का नवीन भवन बनाने एवं नगरीय क्षेत्र बरघाट में डिवाईडरयुक्त मॉडल रोड बनाने की घोषणा की।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस को घेरा

नई दिल्ली। राज्यसभा में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना पर चर्चा करते हुए सोमवार को एक बार फिर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस को घेरा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने किसानों की प्रत्यक्ष सहायता तो की लेकिन किसान सम्मान निधि जैसी योजना कांग्रेस ने कभी नहीं बनाई बल्कि किसानों पर गोलियां चलवाईं, इसमें कई किसान मारे गए। केंद्रीय मंत्री कांग्रेस के सदस्य रणदीप सुरजेवाला के सवालों का जवाब दे रहे थे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने आगे कहा कि किसानों के हित में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसान सम्मान निधि योजना बनाई। उन्होंने कहा कि यह राशि भले ही छह हजार रुपये हो, लेकिन जो लघु किसान, छोटे किसान व सीमांत किसान हैं, उनके लिए छह हजार रुपये मायने रखते हैं।

उन्होंने कहा कि कई बार किसानों को आदान के लिए को छोटी-छोटी जरूरतें पूरी करने के लिए छोटी राशि की जरूरत पड़ती थी, जब पैसा नहीं होता था तब उसे ऊंची ब्याज की दरों पर लेने पड़ते थे। इस सम्मान योजना के कारण किसान स्वावलंबी व सशक्त हुआ है। किसान का सम्मान भी हुआ है। ये (कांग्रेस) किसान का सम्मान भी नहीं देख सकते।

राज्यसभा में अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान की एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि एक स्वतंत्र अध्ययन के अनुसार पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत वितरित धनराशि ने ग्रामीण आर्थिक विकास उत्प्रेरक का काम किया है। किसानों के लिए ऋण संबधित बाधाओं से मुक्त किया है। कृषि क्षेत्र में निवेश को बढ़ाया है। जोखिम लेने की क्षमता को भी बढ़ाया है, जिससे वे कृषि क्षेत्र में संभावित क्षेत्र से अधिक उत्पादक निवेश करने में सक्षम हुए हैं।

इस बीच कांग्रेस के सदस्यों द्वारा बार बार व्यवधान डाले जाने पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रुखे स्वर में कहा कि अलग अलग राज्यों में कांग्रेस की सरकार में इनके हाथ किसानों के खून से सने। उन्होंने कहा कि 1986 में जब कांग्रेस की सरकार बिहार में थी, तब 23 किसानों की मौत गोलाबारी से हुई थी। 1988 में दिल्ली में श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि पर किसानों पर गोली चलाई गई, इसमें दो किसान मारे गए। 1988 में मेरठ में किसानों पर फायरिंग की 5 किसान मारे गए। 23 अगस्त 1995 हरियाणा में गोली चलाई छह किसान मारे गए। 12 जनवरी 1998 में मुलताई में किसानों पर गोली चली, इन दिनों कांग्रेस की सरकार थी। इसमें 24 किसान मारे गए। आंध्रप्रदेश में 2010 में दो किसान मारे गए। 8 मई उत्तरप्रदेश के नोएडा में चार किसानों की गोली से मौत हुई।

इसके बाद शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 15 अगस्त पर प्रधानमंत्री के भाषणों को भी पढ़ा।

उन्होंने आगे कहा कि दुख व तथ्य के साथ बता रहा हूं कि कांग्रेस की प्राथमिकता किसान नहीं है। उन्होंने स्व.पंडित जवाहरलाल नेहरू के भाषणों का उल्लेख करते हुए कहा कि 1947 व 1948 के बाद उनके भाषण में किसान शब्द नहीं आया उन्होंने कहा कि स्व. इंदिरा गांधी के भाषणों में कभी भी पालिसी की बात नहीं की। राजीव गांधी की भी प्राथमिकता किसान नहीं रहे। वहीं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से प्राचीर से अभी तक किसान शब्द का सैकड़ों पर उपयोग किया। इसकी वजह है कि उनके दिल में किसान था, आज भी हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि नाटक से किसान की नीति नहीं बदलेंगी। उन्होंने का कहा कि एक कांग्रेस के नेता पैदलयात्रा पर निकले थे। उनके 2023 के एक दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने उस वीडियो को देखा किसानों से ज्यादा कैमरामैन थे। दो किसानों को पकड़कर खेत में ले जा रहे थे। वहां रील बनाई जा रही थी। उन्होंने वीडियो को सदन के पटल पर रख दिया।

7 अगस्त से सवा ग्यारह लाख चिंतामणी पार्थिव पूजन रुद्राभिषेक

उज्जैन। महाकाल की पावन नगरी में श्रावण मास के पावन अवसर पर सवा ग्यारह लाख चिंतामणी पार्थिव पूजन रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन 7 अगस्त से 13 अगस्त तक श्री हजारी हनुमान मंदिर, मक्सी रोड़, पवासा में होने जा रहा है। जिसमें तीनों अनी अखाड़ों के श्री महंथान, रामानन्दाचार्य पीठ पीठासिन जगदुरु, सभी खालसों के महंथान, त्यागी, तपस्वी, संत महात्माओं व भक्तजन शामिल होंगे। श्रीमहंत श्री काशीदासजी महाराज ने बताया कि परमाध्यक्ष श्री टीलाद्वारा गाद्याचार्य मंगलपीठाधीश्वर श्री श्री 1008 श्री माधवाचार्यजी महाराज के सानिध्य में होने जा रहे इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान की शुरूआत कलश यात्रा के साथ आज 6 अगस्त सायं 4 बजे से होगी। शोभायात्रा पांड्या खेड़ी स्थित डिपो से प्रारंभ होगी।

खेलो इंडिया राइजिंग टेलेंट आइडेंटिफिकेशन की शुरुआत

उज्जैन। खेलो इंडिया योजना का लाभ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों तक पहुँचाने के लिए युवा मामले और खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा खेलो इंडिया राइजिंग टेलेंट आइडेंटिफिकेशन की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के खिलाडियों को प्रशिक्षण सहायता प्रदान करना और इन क्षेत्रों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी इकट्ठा करना है।

इसी तारतम्य में सोमवार को उज्जैन में भारतीय खेल प्राधिकरण के सहायक संचालक श्री अजय नामदेव सरवदे के द्वारा खेलो इंडिया राइजिंग टेलेंट आइडेंटिफिकेशन का शुभारम्भ क्षीर सागर खेल मैदान और नानाखेड़ा स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक व कुश्ती प्रशिक्षक श्री हरीश राजौरा ने बताया कि सोमवार को जिले में पांच खेल वॉलीबाल, एथलेटिक्स, खो खो, कबड्डी और कुश्ती में से चार खेल कुश्ती, कबड्डी, खो खो और वॉलीबाल का प्रशिक्षण क्षीर सागर खेल मैदान में आयोजित किया गया। वहीं एथलेटिक का प्रशिक्षण विजयाराजे सिंधिया सिंथलेटिक ट्रेक नानाखेड़ा में दिया गया। इसमें 9 से 18 वर्ष के बालक, बालिकाओं ने भाग लिया।

प्रशिक्षण में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के द्वारा खिलाड़ियों के टेस्ट लिए गए, जिसमें जनरल टेस्ट एवं स्पेसिफिक टेस्ट शामिल थे। सोमवार को टेलेंट हंट में 242 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें वॉलीबाल में 123, कबड्डी में 53, एथलेटिक्स में 27, खो खो में 26 और कुश्ती में 13 खिलाड़ियों ने भाग लिया। कुश्ती प्रशिक्षक श्री गौरव आर्य ने बताया की निर्णायक मंडल ने कार्यक्रम में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम 11 अगस्त तक चलेगा। जो भी खिलाड़ी इसमें भाग लेना चाहते हैं वे क्षीर सागर और नानाखेड़ा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में सुबह 8 से इस अभियान में भाग ले सकते हैं। यह जानकारी समन्वयक 'साई' के कुश्ती प्रशिक्षक हरीश राजौरा ने दी।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण

उज्जैन। हरियाली महोत्सव के अवसर पर उज्जैन नगर में वृहद स्तर पर पौध-रोपण किया जा रहा हैं। नगर निगम उज्जैन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर पौधें लगाएं। उज्जैन नगर अंतर्गत 500 से अधिक स्थानों पर पौधें लगाएं जा रहे है। करीब डेढ़ लाख से अधिक पौधे लगाए जायेंगे।

विक्रम विश्वविद्यालय के खेल मैदान, मयूर वन और चामुंडा माता चौराहा के सामने नगर वन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सांसद श्री अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद श्री उमेशनाथजी महाराज, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, विधायक श्री सतीश मालवीय, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव सहित पार्षदगण आदि जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों ने भी एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह और निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक सहित अन्य अधिकारियों द्वारा भी पौधारोपण किया गया। विक्रम विश्वविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित संभागीय क्रिकेट संगठन कार्यक्रम में सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने हरियाली अमावस्या पर्व पर सबको बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पूरे देश के साथ-साथ उज्जैन जिले में भी सामाजिक संगठनों सहित आमजन के द्वारा पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है। यह एक अभियान ही नहीं, हमारी जिम्मेदारी है कि पौधा रोपकर उसे पेड़ बनाने का संकल्प लिया जाये। विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा ने कहा कि उज्जैन शहर में डेढ़ लाख से अधिक पौधे लगाये जा रहे हैं। पौधारोपण का कार्य आमजन को निरन्तर कर पर्यावरण को बचाने का कार्य किया जाना चाहिये। विधायक श्री सतीश मालवीय ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के इस महायज्ञ में हम सब मिलकर आहुति दें। देश-प्रदेश हराभरा रहे, इसलिये अभियान को सफल बनाकर पौधे लगायें और पौधा ही हम सबको जीवन देने का काम करेगा। नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव ने कहा कि पर्यावरण के संवर्धन का काम हमें सबको मिल-जुलकर करना है। पौधारोपण कर उनका संरक्षण करने का काम भी हमें ही मिल-जुलकर करना है। लगाये गये पौधे को पेड़ का रूप देने तक उसकी नियमित देखभाल की जाये। इस अवसर पर श्री जगदीश पांचाल, श्री शिवेन्द्र तिवारी, श्री सुरेन्द्र काबरा, डॉ.संजीव जैन, श्री यशवंत पटेल, श्री रजत मेहता, श्री सोहन ठाकुर, श्री मयूर शाह, नगर निगम उपायुक्त श्रीमती कृतिका भीमावद, श्री युनूस शेख तथा क्रिकेट खिलाड़ी आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। संभागीय क्रिकेट संगठन के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 501 खेल मैदान में पौधारोपण का कार्य किया गया। इसी प्रकार मयूर वन (विक्रम वाटिका) में भी पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया।

मयूर वन सोसाइटी के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 1100 पौधे लगाने का कार्य किया गया। इस अवसर पर नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, श्री संजय अग्रवाल, श्री परेश कुलकर्णी, श्री मुकेश यादव, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह आदि ने पौधारोपण किया। इसी प्रकार चामुण्डा माता चौराहा के सामने नगर वन (विनोद मिल) परिसर में वृहद पैमाने पर सामाजिक संगठनों के द्वारा पौधारोपण किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री उमेशनाथजी महाराज, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव ने पौधारोपण किया।

सीता स्वयंवर में श्रीराम ने तोड़ा शिव धनुष

उज्जैन। बड़नगर रोड़ स्थित मोहनपुरा में श्री बाबाधाम मंदिर (अर्जी वाले हनुमान-81 फीट) में संगीतमय श्रीराम कथा में सोमवार को सीता स्वयंवर हुआ। भगवान श्रीराम ने शिव धनुष तोड़ा। परशुराम-लक्ष्मण संवाद हुआ। जनकपुरी में शहनाई बजी, बहारों ने फूल बरसाये, महारानी सीता के हाथों में मेहंदी लगी। भक्तों को श्रीराम माता सीता के विवाह की सुंदर झांकी के दर्शन हुए। भगवान श्रीराम माता सीता ने एक दूसरे को वरमाला पहनाई, पूरा जगत सीता राम मय हो गया, देवताओं ने पुष्पवर्षा की। महामंडलेश्वर गुरू मां आनंदमयी ने श्रीराम विवाह की कथा में सीता स्वयंवर का प्रसंग सुनाते हुए कहा बेटी की शादी न हो तो माता-पिता को नींद नहीं आती और गलत घर में हो जाए तो उनकी नींद ही उड़ जाती है। बेटी सुख से रहे तो माता पिता को चैन की नींद आती है, चाहे बरसों में मिले लेकिन बेटी सुखी है तो माता पिता का जीवन सुखी होता है। हमें भी चाहिये बेटी को विदा कर दी तो भगवान का सहारा समझ कर उसको भूल जाना चाहिये, लेकिन कलियुग में हम अपने घर में बैठकर बेटी की गृहस्थी में डिस्टर्ब कर रहे हैं, इसीलिए सास को बेटी मां नहीं मान पाती, ससुर को पिता नहीं मान पाती, सबसे बड़ा दान है कन्यादान। एक बार कन्यादान कर दिया उसके बाद बेटी के घर में ज्यादा डिस्टर्ब नहीं करें, हम अपनी चलाएंगे तो बेटी की उसके घर में चलना बंद हो जाएगी, बेटी को ऐसा संस्कार दे कि मां सीता के समान उसका जीवन बने। मां सीता इतनी कोमल रही है कि कभी जीवन में दुख नहीं देखा लेकिन 14 वर्ष का वनवास हो गया विवाह के तुरंत बाद, हम सीख दे इस बात की कि बेटी चाहे जो कुछ भी हो जाए हमने तेरा पाणीग्रहण करा दिया अब ससुराल ही तेरा घर है। बिल्कुल ही विपरीत परिस्थिति हो तो हस्तक्षेप कर सकते हैं लेकिन जहां तक हो आप जोड़ो, क्षण में टूट जाता है धागा, उसको जोड़ा जाए तो उसमें गांठ बंध जाती है, पति और पत्नी के जीवन में प्रेम की गांठ होनी चाहिये, प्रेम ही परमात्मा है। राम की कथा जोड़ने की कथा है। जनकपुरी में श्रीराम विवाह के पूर्व राम के चरण दबा रहे लखन जी की आंखों से अश्रु फूट पड़ते हैं, श्रीराम पूछते हैं तो लखनजी कहते हैं, आपका विवाह हो जाएगा सीता माता से, तो जो चरणों की सेवा में नित्य कर रहा हूं, उन चरणों की सेवा भाभी मां को मिल जाएगा तो मेरे जीवन का अर्थ नहीं रह जाएगा।

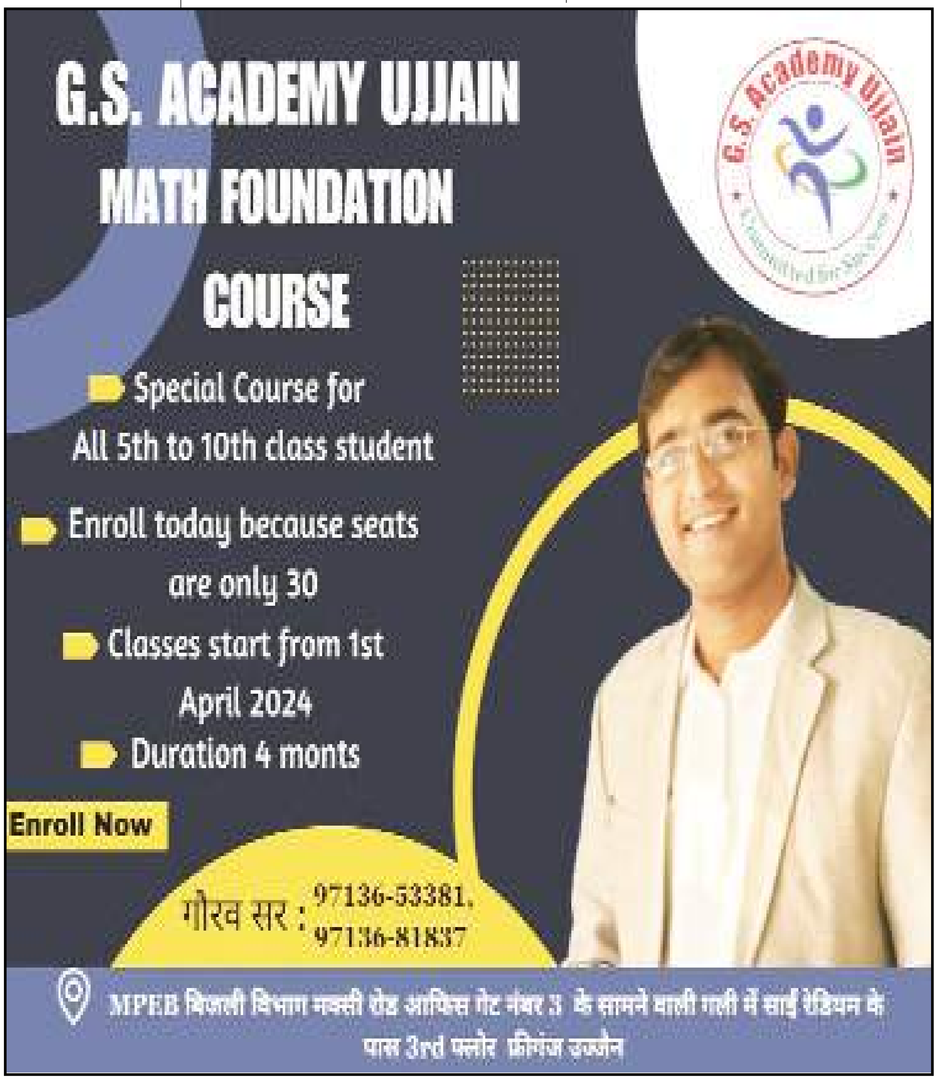

अवंतिकानाथ की जय के घोष से श्रद्धालुओं ने की पुष्पवर्षा

उज्जैन। बाबा महाकाल की तीसरी सवारी आस्था, उत्साह और उमंग के साथ निकाली गई। भगवान श्री महाकालेश्वर श्री चंद्रमौलेश्वर के रूप में पालकी में, हाथी पर श्री मनमहेश के रूप में व गरूड़ रथ पर श्री शिव-तांडव स्वरूप में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकले और अपनी प्रजा का हाल जाना। भगवान की सवारी निकलने के पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में भगवान का उप मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन श्री जगदीश देवड़ा और खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने विधिवत पूजन-अर्चन किया और सवारी में शामिल हुएं।

इस अवसर पर सभा मंडप में विधायक श्री सतीश मालवीय, विधायक श्री महेश परमार, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला, पूर्व विधायक श्री राजेन्द्र भारती, श्री संजय अग्रवाल, श्री जगदीश पांचाल, श्री राजपाल सिंह सिसौदिया, संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता, आईजी श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, एसपी श्री प्रदीप शर्मा आदि उपस्थित थे। इसके पश्चात भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर पालकी में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकलें। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में विराजित भगवान को सलामी दी गई।

डमरू वादकों के साथ बाबा निकले शिव-तांडव स्वरूप में भ्रमण पर

बाबा महाकाल की सवारी में डमरू वादन की मंगल ध्वनि से भगवान शिव की स्तुति की गई। डमरू वादकों द्वारा एकसाथ लयबद्ध रूप में आकर्षक एवं मनमोहक प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं का मन मोहा। उल्लेखनीय है कि श्रावण का तीसरा सोमवार उज्जैन के लिए ऐतिहासिक रहा। महाकाल लोक के शक्तिपथ पर 1500 डमरू वादकों ने एकसाथ एक समय डमरू वादन कर विश्व कीर्तिमान रचा। बाबा श्री महाकाल के भक्तों ने हर्षोल्लास और उमंग से सवारी में भाग लिया और डमरू वादकों का स्वागत किया।

निमाड़ अंचल के सुप्रसिद्ध काठी नृत्य की अदभुत प्रस्तुति

बाबा महाकाल की सवारी में निमाड़ अंचल के लोकनृत्य काठी की मनमोहक प्रस्तुति आकर्षण का केन्द्र रही। भगवान शंकर और माता गौरा से जुड़ी इस प्रस्तुति ने सभी श्रद्धालुओं का मन मोहा। लोक कलाकारों ने मोरपंख से सजी आकर्षक रंग-बिरंगी वेशभूषा में प्रमुख ढाक वाद्ययंत्र से आकर्षक प्रस्तुति दी। बाबा महाकाल की सवारी के साथ भजन मंडलियां भी उत्साह और उमंग के साथ शिव भजनों की मधुर प्रस्तुति देते हुए चली।

रामघाट पर भगवान महाकाल का इन्द्रदेव ने भी किया जलाभिषेक

भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी महाकाल मन्दिर से प्रस्थान कर जैसे ही रामघाट पर पहुंची, वैसे ही चहुंओर आस्था और श्रद्धा का जन-सैलाब उमड़ पड़ा। श्रावण में अपने सौंदर्य की छटा बिखेरते हुए स्वयं प्रकृति भगवान श्री महाकाल का स्वागत करने के लिए आतुर दिखाई दी। पुजारियों के साथ भगवान का जलाभिषेक वर्षा कर इन्द्रदेव ने भी किया। भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन और जलाभिषेक पं.आशीष पुजारी द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन कराया गया। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने भी रामघाट पर भगवान का पूजन किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री उमेशनाथ जी महाराज सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

भगवान श्री महाकाल की पालकी जैसे ही श्री महाकालेश्वर मन्दिर के मुख्य द्वार पर पहुंची, सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में सवारी श्री चंद्रमौलेश्वर को सलामी दी गई।

सवारी मार्ग में जगह-जगह खड़े श्रद्धालुओं ने भोलेशंभु-भोलेनाथ और अवंतिकानाथ की जय के घोष के साथ भगवान श्री महाकालेश्वर पर पुष्पवर्षा की।

सुगमता से हुए श्रद्धालुओं को भगवान के दर्शन

श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी में हजारों की संख्या में भक्त झांझ, मजीरे, ढोल और भगवान का प्रिय वाद्य डमरू बजाते हुए पालकी के साथ उत्साहपूर्वक आराधना करते हुए चले। श्रद्धालुओं ने सुगमतापूर्वक भगवान के दर्शन लाभ लिए।

श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी परंपरागत मार्ग महाकाल चौराहा, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार और कहारवाडी से होती हुई रामघाट पहुंची, जहाँ शिप्रा नदी के जल से भगवान का अभिषेक और पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद सवारी रामानुजकोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी बाजार से होती हुई पुनः श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंची।

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
• प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)